भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **707** जिसका उत्तर

गुरूवार, **17 सितंबर**, 2020/26 भाद्रपद, 1942 (शक) को दिया जाना है

बैपुर पत्तन को जोड़ना

†**707. श्री एम० के० राघवन:**

क्या **पोत परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बैपुर पत्तन को राष्ट्रीय राजमार्ग 66 और राष्ट्रीय राजमार्ग 766 के साथ कोझीकोड़ में जोड़ने वाले भारतमाला/सागरमाला कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या कोझीकोड़ स्थित बैपुर पत्तन को राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई समीक्षा बैठक की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो क्या सरकार का विचार निकट भविष्य में ऐसी बैठक का आयोजन करने का है; और

(घ) क्या सरकार ने लहरों के कारण निरंतर कटाव से तटीय क्षेत्रों में चरण दर चरण अपरदन को संज्ञान में लिया है और यदि हां, तो ऐसे कटाव को रोकने के लिए क्या योजना हैं?

उत्तर

पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क), (ख) और (ग) : केरल में मालापरंब समुद्र तट तक जुड़ने वाली 18 किमी की लंबाई वाली बैपुर सड़क, भारतमाला परियोजना चरण-I के तहत पत्तन संपर्कता सड़क-खंडों की सूची में शामिल है। दिनांक 10.10.2018 को सचिव, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित की गई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि भारतमाला परियोजना के तहत पत्तन को जोड़ने वाली सड़क का कार्य सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय/एनएचएआई द्वारा इस शर्त के तहत किया जाएगा कि राज्य सरकार परियोजनाओं के लिए प्राक्कलन/डीपीआर तैयार करेगी तथा भू-अर्जन और उपयोगिता स्थानांतरण संबंधी संपूर्ण लागत वहन करेगी। दिनांक 19 जून, 2020 को सचिव, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित एक अन्य समीक्षा बैठक में, पहले से चल रहे निर्माण कार्यों वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ प्रचालनरत/काफी हद तक विकसित पत्तनों तक सीधे संपर्कता प्रदान करने वाली परियोजनाओं में शीघ्रता लाने का निर्णय लिया गया और तदनुसार, पोत परिवहन मंत्रालय के दिनांक 09 सितंबर, 2020 के कार्यालय ज्ञापन के तहत 68 सड़क संपर्कता परियोजनाओं की प्राथमिकता सूची साझा की गई जिनमें भारतमाला परियोजना के तहत कार्यान्वयन हेतु उपरोक्त संपर्कता परियोजना भी शामिल है।

(घ) : नेशनल सेंटर फॉर कोस्टल रिसर्च (एनसीसीआर), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, चेन्नई ने वर्ष 1990-2016 के लिए भारतीय तट के साथ तटरेखा में होन वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया है। इस अध्ययन में यह पाया गया कि कोझीकोड जिले की 62% की तटरेखा में भिन्न-भिन्न डिग्री के कटाव हैं। बैपुर फिशिंग हार्बर के दोनों ओर पर कम कटाव पाया गया। कोझीकोड के साथ तट रेखा में हुए परिवर्तनों का परिणाम संक्षिप्त रूप से नीचे दिया गया है।

जिला	तटरेखा की कुल लंबाई (किमी में)	तटरेखा की लंबाई (किमी में)						
		उच्च कटाव	मध्यम कटाव	कम कटाव	स्थिर	कम अभिवृद्धि	सामान्य अभिवृद्धि	उच्च अभिवृद्धि
कोझीकोड	78.03	0.46	0.84	47.56	24.93	3.74	0.24	0.26

समुद्र विरोधी कटाव संबंधी उपायों की योजना बनाने एवं लागू करने का कार्य समुद्री राज्यों/संघ शासित प्रदेशों द्वारा उनकी प्राथमिकता और उनके अपने संसाधनों के अनुरूप किया जाता है। संघ सरकार की भूमिका वास्तव में तकनीकी, सलाहकार और उत्प्रेरक स्वरूप की है। तथापि, दिशानिर्देशों के अनुसार एफएमबीएपी के तहत विकट समुद्री कटाव की रोकथाम वाले कार्यों को करने के लिए राज्य सरकारों को केंद्रीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।

*****